

करका हय कपासी को को
 से कपिवरगा केवरदि क दिनेक
 कुफार से वकालतनामा पत्र मिता
 अत्राली वादने अमीन कारवाही
 डि गंठ 270 नाम के पत्र था

27/03 पत्रावली पेश हुई वकील पिरोगर
 सरकार उपरिष्ठ तै खी न. 26 के खालेदार
 की ओर से पूर्व कालातनामा पत्र मिता
 बाबुराम पुत्र भाग्यपन्द की ओर से अधिकारी
 दिनेश कुमार मदेरगा उपरिष्ठ 1 प्रार्थना
 पत्र पर वद्वत पक्षकारान् रुनी गठि स्थार
 दार हो लिखे डादा उल्लुत प्रार्थना पत्र अन्तर्ग
 धारा 131, 136 व संलग्न नम्बरा इस व अन्त
 इस्तावेजात का ध्यानपूर्वक अवलोकन मिता
 जिल्ले स्पष्ट है कि खी न. 26 की तरकीम
 जो पूर्व नम्बरा इस अनुसार हो रखी है तथा
 उससे से अलग तरकीम 26/1 लाल स्याही के
 कर रखी है उसके पार ही पुलकी तरफ खी न.
 26 की शेष अंगि साक के पुलकी तरफ आता
 स्पष्ट है तथा अधिकारी द्वारा उल्लुत प्रार्थना
 पत्र में भी स्वीकार किता है कि वर्तमान
 तरकीम में तुरि रखी है तथा उल्लुत

P.T.O.

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहक हुकम में
	<p> तरलीम का जो नजारीया नमशा प्रस्तुत किया है उसी अनुसार नई तरलीम करने हेतु निर्देश किया है जो न्यायोचित प्रतीत होता है। डाबडी क्र. न. 26 के खातेदारान्त को उक्त तरलीम श्रुति पर कोई आपत्ति नहीं है। तथा तरलीम श्रुति हेतु सहमत है जो बाबुलाल पुत्र आशचन्द राम की ओर से अधिवक्ता दिनेश मदेरगा ने विरोध किया उक्त तरलीम बाबत कोई हिर स्पष्ट नहीं है तथा गरी उपरोक्त श्रुति के खातेदार अतः जमीन द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा अदिशा दिया जाता है कि प्रस्तावित तरलीम जो नजारीया नमशा प्रार्थना पत्र में दर्शाया गया है उसी अनुसार पारि की संकत में क्र. न. 26 डाबडी की श्रुति निकलनी है उसी अनुसार वर्तमान तरलीम को निरस्त की जाकर प्रस्तावित तरलीम नजारीया नमशा अनुसार सुनिश्चित की जाके निर्वाचन पालना हेतु वदलीचदा कोषालिया को रद्दीर जारी हो। पत्रावली फेंसल श्रुति होकर नम्बर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो। </p>	



न्यायक उदयवदर, बोरिया